

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र-2026-27

विषय- हिन्दी

कक्षा-12

पूर्णांक:100

समय: तीन घण्टे 15 मिनट

नोट i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

खण्ड 'क'

प्रश्न 1 क) 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल' किसकी पंक्ति है?

5×1=5

- i. महावीर प्रसाद द्विवेदी
- ii. प्रतापनारायण मिश्र
- iii. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- iv. प्रेमघन

ख) संगत-युग्म का चयन कीजिए।

- i. रसकलश— हरिऔध
- ii. लहर— मैथिलीशरण गुप्त
- iii. कामायनी— प्रेमचंद
- iv. प्रेम-तरंग— जगन्नाथदास रत्नाकर

ग) 'उद्धव शतक' सम्बन्धित है—

- i. भ्रमरगीत परंपरा से
- ii. राम-कथा से
- iii. वीरगाथा काव्य से
- iv. स्वतंत्रता आन्दोलन से

घ) 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह' किस काव्य आन्दोलन के लिए कहा जाता है?

- i. प्रगतिवाद
- ii. छायावाद
- iii. प्रयोगवाद

iv. नई कविता

ड) 'एक भारतीय आत्मा' किसे कहा जाता है?

- i. माखनलाल चतुर्वेदी
- ii. हरिवंशराय बच्चन
- iii. दिनकर
- iv. श्याम नारायण पांडेय

प्रश्न 2 क) कहानी विधा का उदाहरण है—

5×1=5

- i. गरुडध्वज
- ii. अपना अपना भाग्य
- iii. आन का मान
- iv. राजमुकुट

ख) रामविलास शर्मा की कृति है—

- i. मेरा परिवार
- ii. निराला की साहित्य साधना
- iii. तमस
- iv. झूठा सच

ग) हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास है—

- i. परीक्षा गुरु
- ii. तितली
- iii. गबन
- iv. कंकाल

घ) 'इच्छाएं नाना हैं और विधि है और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। ये पंक्तियाँ किस पाठ से उद्धृत हैं?

- i. अकर्मण्यता
- ii. लोभ और प्रीति
- iii. भाग्य और पुरुषार्थ
- iv. इच्छा और ज्ञान

ड) भारतेन्दु युग के लेखक हैं—

- i. भगवतशरण उपाध्याय
- ii. प्रताप नारायण मिश्र
- iii. रघुवीर सहाय
- iv. मैथिलीशरण गुप्त

प्रश्न 3— निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों का उत्तर दीजिए—

आज के अनेक आर्थिक और सामाजिक विधानों की हम जांच करें तो पता चलेगा कि वे हमारी सांस्कृतिक चेतना के क्षीण होने के कारण युगानुकूल परिवर्तन और परिवर्द्धन की कमी से बनी हुई रुढ़ियों, परकीयों के साथ संघर्ष की परिस्थिति से उत्पन्न मॉग को पूरा करने के लिए अपनाये गये उपाय अथवा परकीयों द्वारा थोपी गयी या उनका अनुकरण कर स्वीकार की गयी व्यवस्थाएं मात्र हैं। भारतीय संस्कृति के नाम पर उन्हें जिन्दा रखा जा सकता है।

5×2=10

- i. उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- ii. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iii. भारतीय सांस्कृतिक चेतना के कमजोर होने का मुख्य कारण क्या है?
- iv. युगानुरूप परिवर्तन एवं विकास नहीं होने का क्या कारण है?
- v. 'परिस्थिति' अथवा 'सांस्कृतिक' शब्दों में उपसर्ग एवं प्रत्यय छांटकर लिखिए।

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुंदरियों के आसिंजनकारी नूपुर वाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरुषोत्तम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था।

- i. उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- ii. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iii. संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है?
- iv. अशोक पर फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार हैं?
- v. 'आसिंजनकारी' तथा 'कर्णावतंस' का अर्थ लिखिए।

प्रश्न 4— पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

5×2=10

कृपानिधान सुजान संभु हिय की गति जानी।

दियों सीस पर ठाम वाम करि कै मनमानी॥

सकुचति ऐचति अंग गंग सुख संग लजानी।

जटा—जूट हिम कूट सघन बन सिमिटि समानी॥

- i. उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- ii. कवि ने गंगा अवतरण का चित्रण किस प्रकार किया है?
- iii. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iv. प्रस्तुत पद्यांश में किस छंद का प्रयोग हुआ है?
- v. प्रस्तुत पद्यांश में कौन—सा रस प्रयुक्त हुआ है?

अथवा

तुम मांसहीन, तुम रक्त—हीन

हे अस्थि—शेष! तुम अस्थि—हीन,

तुम शुद्ध—बुद्ध आत्मा केवल,

हे चिर पुराण , हे चिर नवीन!

तुम पूर्ण इकाई जीवन की,

जिसमें असार भव—शून्य लीन,

आधार अमर, होगी जिस पर

भावी की संस्कृति समासीन।

- i. उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- ii. रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iii. प्रस्तुत पद्यांश के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?
- iv. कौन हड्डियों के ढाँचा मात्र प्रतीत होते हैं?
- v. गाँधी जी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा?

प्रश्न 5— (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए।
(शब्द सीमा 80) 3+2=5

- i. डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी
- ii. जैनेन्द्र कुमार
- iii. डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम
- iv. प्रो० जी० सुंदर रेड्डी

ख) निम्नलिखित में किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए।
(शब्द सीमा 80) 3+2=5

- i. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
- ii. जयशंकर प्रसाद
- iii. महादेवी वर्मा
- iv. रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रश्न 6— 'पंचलाइट' अथवा 'खून का रिश्ता' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
(शब्द सीमा 80) 3+2=5

अथवा

कहानी कला के तत्वों के आधार पर 'लाटी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 7— स्वपठित खण्ड काव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर दीजिए।
(शब्द सीमा 80) 5

क) 'रश्मिरथी' खण्ड काव्य के तृतीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण के चरित्र की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

ख) "श्रवण कुमार" एक मर्मस्पर्शी (हृदय स्पर्शी) खण्ड काव्य है" सिद्ध कीजिए।

अथवा

वर्तमान दौर में "श्रवण कुमार" खण्ड काव्य की प्रासंगिकता सिद्ध कीजिए।

ग) "मुक्तियज्ञ" खण्ड काव्य के कथानक का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

"मुक्तियज्ञ" खण्ड काव्य के आधार पर गांधी जी का भारत के लिए योगदान पर प्रकाश डालिए।

घ) "त्यागपथी" खण्ड काव्य के उद्देश्य/संदेश पर प्रकाश डालिए।

अथवा

“त्यागपथी” खण्ड काव्य के आधार पर प्रधान पात्र का चरित्र चित्रण लिखिए।

ड़)“सत्य की जीत” खण्ड काव्य के आधार पर द्रौपदी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

“ ‘सत्य की जीत’ में कवि ने आदर्श एवं शाश्वत मूल्यों की प्रतिष्ठा की है”। सिद्ध कीजिए।

च)‘आलोक वृत्त’ खण्ड काव्य में निहित मानव कल्याण के सन्देश की विवेचना कीजिए।

अथवा

‘आलोक वृत्त’ खण्ड काव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

खण्ड—ख

प्रश्न –8(क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए—
2+5=7

याज्ञवल्क्य उवाच— न वा अरे मैत्रेयि! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति। आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति। न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति। न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति। न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति।

अथवा

जन्मतः दशमे दिने ‘शिवं भजेदयम्’ इति बुद्ध्या पिता स्वसुतस्य मूलशङ्कर इति नाम अकरोत् अष्टमे वर्षे चास्योपनयनमकरोत्। त्रयोदशवर्षं प्राप्तवतेऽस्मै मूलशङ्कराय पिता शिवरात्रिव्रतमाचरितुम् अकथयत्। पितुराज्ञानुसारं मूलशङ्करः सर्वमपि व्रतविधानमकरोत्। रात्रौ शिवालये स्वपित्रा समं सर्वान् निद्रितान् विलोक्य स्वयं जागरितोऽतिष्ठत् शिवलिङ्गस्य चोपरि मूषिकमेकमितस्ततः विचरन्तं दृष्ट्वा शङ्कितात्मानसः सत्यं शिवं सुन्दरं लोकशङ्करं शङ्करं साक्षात्कर्तुं हृदि निश्चितवान्। ततः प्रभृत्येव शिवरात्रेः उत्सवः ‘ऋषिवोधोत्सवः’ इति नाम्ना श्रीमद्दयानन्दानुयायिनाम् आर्यसमाजिनां मध्ये प्रसिद्धोऽभूत्।

(ख) निम्नलिखित श्लोकों का हिन्दी में सन्दर्भ सहित अनुवाद कीजिए।

2+5=7

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।

सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्॥

अथवा

मता गजेन्द्राः मुदिता गवेन्द्राः वनेषु विक्रान्ततरा मृगेन्द्राः।

रम्या नगेन्द्राः निभृता नरेन्द्राः प्रकीडितौ वारिधरैः सुरेन्द्रः॥

प्रश्न—9 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए—
2+2=4

(i) विद्यार्थी किम् त्यजेत्?

(ii) वर्षाकाले पर्वतशिखराणि कै तुलितानि?

(iii) महर्षेः दयानन्दस्य गुरुः कः आसीत्?

(iv) श्रीमालवीयः कीदृशः पुरुषः आसीत्?

प्रश्न-10 (क) भयानक रस अथवा अद्भुत रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए।

1+1=2

(ख) अनुप्रास अलंकार अथवा अन्वय अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

1+1=2

(ग) चौपाई छन्द अथवा कुंडलिया छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

1+1=2

प्रश्न-11 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए—

2+7=9

(i) आतंकवाद— समस्या और समाधान

(शब्द सीमा अधिकतम-250)

(ii) एक रोमांचक बस—यात्रा

(iii) मेरा प्रिय उपन्यासकारः प्रेमचन्द

(iv) शिक्षा में खेल—कूद का स्थान

प्रश्न-12 (क)(i) 'नयनम्' का सन्धि विच्छेद होगा—

1

(अ) ने+अनम्

(ब) नय+अनम्

(स) नै+अनम्

(द) नय + नम्

(ii) 'उल्लेखः' का सन्धि विच्छेद होगा—

1

(अ) उ+लेखः

(ब) उत्+लेखः

(स) उल्ले+खः

(द) उ+ल्लेखः

(iii) 'हरिश्चते' का सन्धि विच्छेद होगा—

1

(अ) व्यंजन सन्धि

(ब) विसर्ग सन्धि

(स) स्वर सन्धि

(द) यण् सन्धि

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए—

1+1=2

(अ) चन्द्रशेखरः

(ब) घनश्यामः

(स) यथाशक्ति

(द) प्रत्यक्षम्

प्रश्न-13 आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जाती। इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

2+6=8

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गये उपहार के लिए धन्यवाद-पत्र लिखिए।

प्रश्न-14(i) (क) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए—

1

(अ) गुणवान

(ब) प्रभुता

(स) रूपवती

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए—

1

(अ) दत्त्वा

(ब) गतः

(स) कृतः

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए—

1+1=2

(अ) कृष्णम् परितः गोपा।

(ब) सः कर्णेन बधिरः अस्ति।

(स) रामस्य माता।